Department of Political Science
MA Political Science, Sem-I, Internal Assessment, February 2021

**PS-C 102: Theories of International Relations**
**PS-C 102: अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांत**

Date: 24.02.2021
Time: 2 hrs. समय: 2 घंटे
Maximum Marks: 30 पूर्णांक: 30

***Important Instructions:***

1. *Attempt **any two** question; all questions carry equal marks.*
2. *The question paper is for 2 hours. 1 extra hour is provided for scanning and attaching files.*
3. *Answers must be handwritten, scanned and sent in PDF form only via email to **tir2021ia@gmail.com***
4. *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*
5. *Write your name, college name, roll no, etc. on the first page. Write page number on all pages.*

***महत्वपूर्ण निर्देश:***

1. ***किन्ही दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए; सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*
2. *यह प्रश्न-पत्र 2 घंटे का है। एक घंटे का अतिरिक्त समय उत्तर को स्कैन करने और उस फाइल को संलग्न करने के लिए दिया जा रहा है।*
3. *उत्तर हस्तलिखित होना चाहिए। इसे स्कैन कर एक पीडीएफ के रूप में ई-मेल के माध्यम से केवल यहाँ भेजना है: **tir2021ia@gmail.com***
4. *इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिंदी, किसी एक भाषा में दीजिए; परंतु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*
5. *अपने उत्तर के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, महाविद्यालय का नाम, क्रमांक इत्यादि लिखें। प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ संख्या लिखें।*

**1.** The phrase, 'one world, many theories', aptly explain the hegemony of one school of thought in the evolution of the discipline of International Relations. Explain.
वाक्यांश 'एक विश्व, अनेक सिद्धांत' (वन वर्ल्ड, मेनी थेरीज़) अंतर्राष्ट्रीय संबंध की विद्याशाखा के उद्विकास में एक विचार-संप्रदाय के आधिपत्य को उपयुक्त रूप से व्याख्यित करता है। व्याख्या कीजिए।

**2.** Examine the dichotomies in the treatment of the notion of anarchy in international relations, by neorealism and neoliberal institutionalism.
अंतर्राष्ट्रीय संबंध में अराजकता की धारणा के वर्णन पर नव-यथार्थवादियों और नव-उदारवादियों के मध्य द्विभाजनों का परीक्षण कीजिए।

**3.** Neoliberal institutionalism replaces the neorealist notion of the differences in the capabilities of States, with the State's capacity for agenda setting, to define the nature of the functioning of international relations. Give your arguments.
अंतर्राष्ट्रीय संबंध की कार्यपद्धति की प्रकृति को परिभाषित करने में नव-उदारवादी संस्थावाद राज्यों की क्षमताओं में अंतर की नव-यथार्थवादी धारणा के स्थान पर कार्यसूची-निर्धारण में राज्यों के सामर्थ्य को सामने लाते हैं। अपने तर्क दीजिए।

**4.** Kautilya's concept of 'realpolitik' is much older and more expansive than the prevailing conceptions of realist paradigm and yet, it remains hidden in the disciplinary debates of international relations. Do you agree? Explain how and give reasons for your answer.
कॉटिल्य की 'यथार्थपरक राजनीति' की अवधारणा यथार्थवादी प्रतिमान की प्रचलित संकल्पनाओं के बहुत अधिक पुरानी और अधिक विस्तृत है, और इसके बावजूद यह अंतर्राष्ट्रीय संबंध के विद्याशाखा-संबंधित वाद-विवादों में छिपी रहती है। क्या आप सहमत हैं? व्याख्या कीजिए कि ऐसा कैसे हुआ है और अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए।